Patrika (Indore), 06th June 2026, Page- 05

लक्ष्य है- लागत कम हो और जल संरक्षण भी भरपूर रहे

बंद बोरवेल के रिचार्ज पॉइंट पर आइआइटी इंदौर मॉडल से काम

इंदौर @ पत्रिका. बंद सरकारी बोरवेल को रिचार्ज शाफ्ट के रूप में विकसित कर बारिश के अधिकतम पानी को संरक्षित करने का दावा नगर निगम ने किया है। आइआइटी इंदौर की टीम द्वारा तैयार मॉडल के आधार पर रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण किया जा रहा है। अपर आयुक्त आशीष पाठक ने बताया कि निगम के इस नवाचार का उद्देश्य वर्षा जल का प्रभावी संचयन, भूजल स्तर में वृद्धि

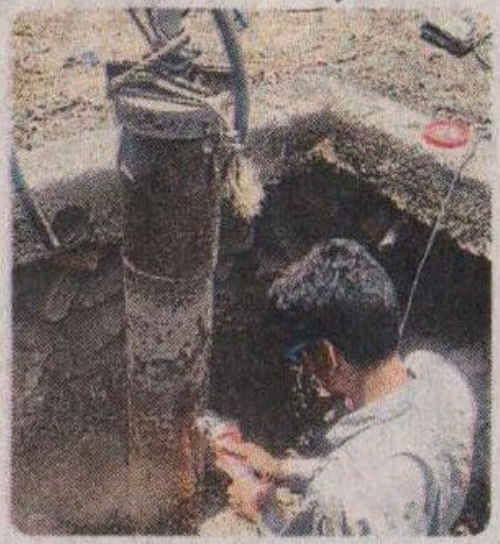

तथा जल संकट की चुनौतियों का स्थायी समाधान करना है। नए रिचार्ज शाफ्ट के निर्माण पर लगभग 1.50 लाख रुपए का खर्च आता है। बंद बोरवेल को रिचार्ज शाफ्ट में परिवर्तित करने पर मात्र 30 हजार रुपए में काम हो रहा है। यह पहल न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से लाभकारी है, बल्कि आर्थिक रूप से भी अत्यंत किफायती एवं प्रभावी है। जल संरक्षण का यह मॉडल देश में आदर्श के रूप में स्थापित हो सकता है। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि नगर निगम द्वारा अपनाई गई यह तकनीक आइआइटी इंदौर द्वारा प्रमाणित डिजाइन पर आधारित है। इसमें वर्षा जल को वैज्ञानिक तरीके से फिल्टर कर बंद बोरवेलों से जमीन में पहुंचाया जाएगा, जिससे जल पुनर्भरण (रिचार्ज) की प्रक्रिया को गति मिलेगी तथा भूजल स्तर में सुधार होगा।